

वार्तालाप-570, हाजीपुर (उ.प्र.), दिनांक 22.05.08

Disc.CD No.570, dated 22.5.08 at Hajipur (Uttar Pradesh)

**समय: 01.50-06.33**

**जिज्ञासु:** बाबा, ये मुरली में आया है कि 2008 में शूटिंग पीरियड का टाइम खत्म हुआ।

**बाबा:** 2008?

**जिज्ञासु:** हाँ।

**बाबा:** 2008 खत्म हुआ?

**जिज्ञासु:** ये मुरली में आया।

**बाबा:** ये तो नहीं आया कि 2008 शूटिंग का टाइम खत्म हुआ। जब तक ब्रॉड ड्रामा शुरू न हो तब तक शूटिंग खत्म हो जाती है क्या? कोई भी फिल्म फिल्माई जाती है, रिहर्सल की जाती है, शूटिंग की जाती है तो तब तक शूटिंग करते रहते हैं जब तक ब्रॉड ड्रामा फाइनल न हो जाए। तो अभी ब्रॉड ड्रामा शुरू हो गया क्या? नहीं। अभी तो तीसरी मूर्ति का ही पार्ट बचा हुआ है सारा का सारा। तो आपने कुछ दूसरा पढ़ लिया।

**Time: 01.50-06.33**

**Student:** Baba, it has been mentioned in the murlī that the shooting period ends in 2008.

**Baba:** 2008?

**Student:** Yes.

**Baba:** 2008 has ended?

**Student:** It has been mentioned in the murlī.

**Baba:** It has not been mentioned that the time for shooting ends in 2008. As long as the broad drama does not begin, does the shooting end? Whenever any film is shot, whenever its rehearsal is done, whenever its shooting is done, the shooting continues until the broad drama becomes final. So, has the broad drama already started? No. Now, the entire part of the third personality is yet to be played. So, you read something else.

**जिज्ञासु:** मुरली का नंबर नहीं नोट....

**बाबा:** आप कुछ बात ही दूसरी बोल रहे हैं। अंतराल का कार्यकाल बताया होगा। ब्रह्मा का अंतराल का कार्यकाल, शंकर का अंतराल का कार्यकाल और विष्णु की प्रत्यक्षता का अंतराल का कार्यकाल। 2004 से लेकर के 2008 तक का पीरियड बताया। ये अंतराल का टाइम है। ब्रह्मा को कितना टाइम दिया? 16 साल। उनको प्रत्यक्ष होने में कितना टाइम लगा? ब्रह्मा जो है, ब्रह्मा के रूप में कितने टाइम में प्रत्यक्ष हो गया? सन् 36 से लेकरके और 1951, 50, 51 में जाकरके पहला ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय खुला। कहाँ? कमलानगर सेन्टर। उससे पहले तो नहीं खुला। तो कितने साल लग गये? 16 साल लग गए। ऐसे ही शंकर को शंकर के नाम रूप से प्रत्यक्ष होने में कितना टाइम लगा? (किसी ने कहा – 7-8 साल।) 69 से लेकरके 76 तक। कितने साल हुए? आठ साल हो गए। ऐसे ही विष्णु जो तीसरी मूर्ति है उसको भी प्रत्यक्ष होने में कुछ टाइम लगेगा या नहीं लगेगा? 4 साल। तो हाँ, क्या पूछना चाहते हैं आप?

**जिज्ञासु:** क्लीयर हो गया।

**Student:** I didn't note the number of the murli...

**Baba:** You are speaking something else. It must have been mentioned about the interval period. The term of interval of Brahma, the term of interval of Shankar and the term of interval of the revelation of Vishnu. The period from 2004 to 2008 has been mentioned. This is the time of the interval. How much time was given to Brahma? 16 years. How much time did it take for him to be revealed? In how much time was Brahma revealed as Brahma? From 1936, the first [center of] Brahmakumari Ishwariya Vishwavidyalay was opened in 1951, 50-51. Where? Kamalanagar Center. It wasn't opened before that. So, how many years did it take? It took 16 years. Similarly, how much time did it take for Shankar to be revealed in the name and form of Shankar? (Someone said: 7-8 years.) From 1969 to 1976. How many years? Eight years. Similarly, will it take some time for the third personality, i.e. Vishnu to be revealed or not? Four years. So, yes, what do you wish to ask?

**Student:** It has become clear now.

**बाबा:** क्या क्लीयर हो गया? अभी विष्णु प्रत्यक्ष हो गया क्या? माताजी को तो प्रत्यक्ष हो गया, क्लीयर हो गया विष्णु। कैसे क्लीयर हो गया? कहाँ है विष्णु? विष्णु पार्टियाँ दिखाई पड़ रही हैं। विष्णु तो नहीं दिखाई पड़ रहा। कही स्टेज पर दिखाई पड़ रहा है? (किसीने कहा - नहीं।) फिर? जैसे ब्रह्मा वाली आत्मा प्रत्यक्ष हुई तो पहले अपने कुल वालों के बीच में प्रत्यक्ष हुई या पहले एडवांस पार्टी वालों ने पहचान लिया उसे? (सबने कहा - अपने कुल में प्रत्यक्ष हुई।) अपने कुल वालों में प्रत्यक्ष होगी ना। चन्द्रमाँ है तो चन्द्रवंशियों में ही प्रत्यक्ष होगा ना। ऐसे ही जो शंकरवाली आत्मा है उसको एडवांस पार्टी वाले पहले पहचानेंगे, उनका परिवार पहले पहचानेगा या ब्रह्मा और ब्रह्माकुमारियाँ या वैष्णो देवी को फॉलो करने वाले पहले पहचान लेंगे? एडवांस वालों ने पहले पहचाना 76 से लेकर। ऐसे ही विष्णु की जो प्रत्यक्षता होगी 2008 के बाद वो उनके परिवार वाले पहले उन्हें पहचानेंगे, उनके बीच में प्रत्यक्षता रूपी जन्म होगा या एडवांस पार्टी वालों की बीच में होगा? पहले अपने कुल के बीच में प्रत्यक्षता होगी। 2008 से लेकरके 2012 तक प्रत्यक्षता अपने कुल के अंदर होगी।

**Baba:** What has become clear? Has Vishnu been revealed now? He has been revealed for Mataji; Vishnu has become clear. How did it become clear? Where is Vishnu? Vishnu parties are visible. Vishnu is not visible. Is he visible anywhere on the stage? (Someone said: No.) Then? For example, when the soul of Brahma was revealed, was it revealed amidst its own clan first or did those from the advance party recognize him first? (Everyone said: It was revealed in his clan.) It will be revealed in its own clan, won't it? When he is the moon, then he will be revealed amongst the *Chandravanshis* only, will he not? Similarly, will the people of advance party recognize the soul of Shankar first, will his family recognize him first or will Brahma, the Brahmakumaris and the followers of Vaishno Devi recognize him first? Those who belong to the advance party recognized him first from 1976 onwards. Similarly, the revelation of Vishnu which will take place after 2008, so, will her family members recognize her first, will her revelation like birth take place among them first or will it take place among the people of the advance party? First the revelation [of Vishnu] will take place in its own clan. The revelation will take place within its own clan from 2008 to 2012.

**जिज्ञासु:** बाबा, बेसिक में प्रत्यक्षता होगी?

**बाबा:** और क्या? है कहाँ की ?

**जिज्ञासु:** वहीं की है।

**बाबा:** शंकर की मूर्ति है तो कहाँ की है? बेसिक की है या एडवांस की है? शंकर की मूर्ति जन्म लेती ही कहाँ से है? (किसीने कहा - बेसिक की है।) बेसिक की है? (सबने कहा - एडवांस की है।) एडवांस की है। (किसीने पूछा - और वो कहाँ की है?) और वो तो बेसिक की है। तो जिस परिवार का जो होगा, वही परिवार के लोग पहचानेंगे या दूसरे परिवार के लोग पहले पहचान लेंगे?

**जिज्ञासु:** पहले परिवार के लोग पहचानेंगे।

**बाबा:** परिवार के लोग पहचानेंगे।

**जिज्ञासु:** फिर वहाँ से यहाँ आयेगी?

**बाबा:** वो ठीक है कहीं से भी जाए। तो वो कन्या होती है तो कन्या अपने परिवार में थोड़े ही रहती है। कन्या का तो परिवार चेन्ज होता ही है।

**Student:** Baba, will the revelation take place in the basic (knowledge)?

**Baba:** Certainly. Where is she from?

**Student:** She belongs only to that place.

**Baba:** If it is a personality of Shankar, where is it from? Does it belong to the basic or advance (knowledge)? Where is the personality of Shankar born from? (Someone said: it belongs to the basic [knowledge].) Does it belong to the basic (knowledge)? (Everyone said: It belongs to the advance [party].) It belongs to advance [party]. (Someone asked: And where is she [Vaishav devi] from?) And she belongs to the basic [knowledge]. So, whoever belongs to whichever family will be recognized by the people of that family first or will the people of other families recognize him first?

**Student:** First the people of his own family will recognize him.

**Baba:** The people of his own family will recognize him.

**Student:** Will she then come here from there?

**Baba:** That's all right. She may go to any place. If it is a virgin, she doesn't live in her own family [forever]. A virgin's family certainly changes.

**समय: 06.33-07.25**

**जिज्ञासु:** अच्छा बाबा, कुमारिका जगतमाता बन बैठी थी टाइलधारी। तो ये तो चले गए। लेकिन ये जो छोटी माँ वैष्णो देवी होगी वो क्या प्रैक्टिकल में जगदम्बा के रूप में भी बेसिक में प्रत्यक्ष होगी?

**बाबा:** फिर भारत माता कौन होगा? अरे, भारत माता और जगदम्बा में कोई अंतर होगा कि नहीं? जगत माना सारा जगत। वो तो 500 करोड़ की अम्बा हो गई। और भारतमाता सिर्फ भारतवासियों की ही अम्बा होगी। भारतवासियों के रीत-रस्म-रिवाज़ 100 परसेन्ट उसमें भरे होंगे। और जगत के जो असुर हैं, राक्षस सम्प्रदाय हैं, उनके रीत-रस्म-रिवाज़ भारत माता में होंगे या जगदम्बा में होंगे? जगदम्बा में भरे होंगे कूट-कूट के।

**Time: 06.33-07.25**

**Student:** OK Baba, Kumarika acted as the titleholder World Mother. So, she left (her body). But will the junior mother, Vaishno Devi be revealed in the basic [knowledge] as Jagdamba in practical?

**Baba:** Then who will be Bharat Mata (Mother India)? *Arey* will there be any difference between Mother India and the World Mother (Jagadamba) or not? *Jagat* means the entire world. She is the mother of the 5 billion [human beings]. And Mother India will be the mother of only the Indians. The rituals and traditions of the Indians will be present in her 100 percent. And will the rituals and traditions of the demons of the world, the demoniac community be present in Mother India or the World Mother? They will be contained strongly in Jagdamba.

**समय: 30.30.16-33.03**

**जिज्ञासु:** बाबा, रामायण में आया है - पार्वती ने पूछा है - बहुरि कहऊ करुनायतन कीन्ह जो अचरज राम। प्रजा सहित रघुवंश मणि किम गवने निजधाम।। - ये कैसा मामला है?

**बाबा:** क्या मामला है सो पूछो ना।

**जिज्ञासु:** मामला है कि सारी प्रजा को अपने साथ कैसे ले गए?

**बाबा:** राम को भगवान मान लिया है ना। (जिज्ञासु ने कहा - हाँ।) तो राम थोड़े ही प्रजा को ले गए। ये तो शिवबाबा की बात है। शिवबाबा ले गए। उन्होंने राम को भगवान मान लिया है। वास्तव में राम भगवान थोड़े ही है। उसमें प्रवेश करने वाली आत्मा जो शिवबाबा है। वो सबको अपने साथ ले जाता है।

**Time: 30.16- 33.03**

**Student:** Baba, it has been mentioned in the Ramayana: Parvati asked, “*Bahuri kahau karuna yatan keenha jo achraj ram. Praja sahi raghuvansh mani kini gavaney nijdhaam*”. What is this matter?

**Baba:** Ask what the matter is.

**Student:** The matter is, how did he (i.e. Ram) take all the subjects (*praja*) with him?

**Baba:** They have considered Ram as God, haven't they? (Student said: Yes.) So, it wasn't Ram who took the subjects with him. It is about Shivbaba. Shivbaba took them. They have considered Ram to be God. Actually, Ram is not God. The soul of Shivbaba who enters in him takes everyone along.

**बाबा:** शंकर की बारात थोड़े ही गई जाती है। शंकर कहो, रामवाली आत्मा कहो, बात एक ही है। बारात किसकी है? शिवबाबा की बारात है। शिव शक्तियाँ कही जाती हैं। शंकर शक्तियाँ कही जाती हैं क्या? वो खुद ही विषपायी है। उसकी क्या शक्तियाँ बनेंगी? शक्तियाँ अव्यभिचारिणी होंगी या व्यभिचारिणी होंगी? अव्यभिचारिणी होंगी। तो शिव की शक्तियाँ बनती हैं तो अव्यभिचारिणी हैं। तब उनमें शक्ति आती है। शक्ति अव्यभिचार से आती है या व्यभिचार से आती है? अव्यभिचार से शक्ति आती है। पर स्त्री गमन को विष कहा जाता है। पर पुरुष गमन को विष कहा जाता है। तो शंकर और शिव में ये खास अंतर है। शंकर शक्तियाँ कभी नहीं कहा जायेगा। क्या कहा जायेगा? शिव शक्तियाँ। अभी शिव प्रत्यक्ष ही नहीं हुआ है। तो शिव की शक्तियाँ भी प्रत्यक्ष नहीं हो रही हैं। होंगी तो नम्बरवार। किस नंबर से प्रत्यक्ष होंगी? अरे जिस

नंबर से 63 जन्म पार्ट बजाया होगा अव्यभिचारीपने का, नंबरवार होंगी ना। कोई तो शक्ति ऐसी होगी जिसने जन्म-जन्मान्तर एक ही आत्मा के साथ पति-पत्नी का संबंध जुटाया होगा। (जिज्ञासु-लक्ष्मी।) बाकी ने नहीं उतना श्रेष्ठ पुरुषार्थ कर पाया। तो बनी बनाई बन रही अब कुछ बननी नाय।

**Baba:** Shankar's marriage party (*baaraat*) is not famous. Call him Shankar, call him the soul of Ram, it is one and the same. Whose marriage party is it? It is Shivbaba's marriage party. It is said, *Shiv shaktis*<sup>1</sup>. Do they say *Shankar shaktis*? He himself drinks poison. They will not become his *shaktis*. Will *Shaktis* be unadulterated (*avyabhicharini*) or adulterous (*vyabhicharini*)? They will be unadulterated. So, when they become *shaktis* of Shiva, they are unadulterated. It is then that they get power (*shakti*). Does power come from *avyabhichaar*<sup>2</sup> or from adultery (*vyabhichaar*)? Power comes from *avyabhichaar*. Adultery (with another's wife) is called poison. Adultery (with another's husband) is called poison. So, this is the special difference between Shankar and Shiva. It will never be said, *Shankar shaktis*. What will be said? *Shiv shaktis*. Shiva has not yet been revealed. So, the *shaktis* of Shiva are not being revealed either. They will be revealed number wise (according to their faithfulness). In which serial number will they be revealed? *Arey*, the serial number at which they would have played a part of *avyabhichar* for 63 births; they will be number wise, will they not? There must be a *shakti* who must have established the relationship of husband and wife with just one soul for many births. The rest were not able to make such elevated *purusharth*. So, whatever was pre-determined is being enacted; nothing new is to be enacted now.

### समय-33.13-34.28

**जिज्ञासु:** अभी ग्रेट-ग्रेट ग्रेन्डफादर के बारे में बताने जा रहे थे बंद कर दिया।

**बाबा:** वो ही तो बताई बात। फादर्स जो हैं वो एक हैं या अनेक हैं? (किसी ने कहा – अनेक।) कितने फादर्स हैं? जितने धर्म हैं उतने ही फादर्स हैं। तो वो महान धर्मपिताएं हैं। ग्रेट माने महान। लेकिन उन महान से भी महान कौन हैं? वो एक ही हैं। उसको कहते हैं ग्रेट-ग्रेट-ग्रेन्डफादर। महान ते महान धर्मपिता। उससे ज्यादा ऊंचा महान धर्मपिता कोई होता नहीं। मुसलमानों में उसका नाम क्या दिया है? मुसलमानों ने उस धर्मपिता का नाम क्या दिया है? (किसी ने कहा – इब्राहिम।) नहीं। (किसी ने कहा – आदम।) नहीं। अल्लाह अक्वलदीन। उसका नाम क्या दिया है? अल्लाह अक्वलदीन। दीन माने धर्म। अक्वल नंबर धर्म की स्थापना करने वाला अल्लाह ऊंचे ते ऊंचा। अल्लाह अक्वलदीन।

### Time: 33.13-34.28

**Student:** You were going to speak about great-great-grandfather now, but you stopped.

**Baba:** That's what was being said. Are fathers one or many? (Someone said: many.) How many fathers are there? There are as many fathers as there are religions. So, they are the great (*mahaan*) religious fathers. *Mahaan* means great. But who is the greater than those great ones? It is the only one. He is called great-great-grandfather. Greatest religious father. There is no religious father higher, greater than him. What name did the Muslims coin for him? What name have the

<sup>1</sup> Consorts of Shiva

<sup>2</sup> Having faith in one

Muslims given to that religious father? (Someone said: Abraham.) No. (Someone said: Adam.) No. Allah Avvaldeen. What name was he given? Allah Avvaldeen. *Deen* means religion. The highest one, Allah, who establishes the number one religion. Allah Avvaldeen.

**समय: 34.29-36.27**

**जिज्ञासु:** बाबा, जो आदमी है, जिसका-जिसका जो धर्म है उसी धर्म में फिर जन्म लेगा कि इसमें से उसमें, उसमें से इसमें? क्या है?

**बाबा:** अच्छा द्वापरयुग जब शुरू होगा तो देवता धर्म वाले इसमें के उसमें नहीं जायेंगे? बताओ। जब द्वापरयुग शुरू होगा तो देवता धर्म के जो सतयुग, त्रेतायुग में जन्म लेने वाले देवताएं हैं ८-१० करोड़ वो दूसरे धर्मों में कनवर्ट होंगे कि नहीं होंगे? अरे दुनिया में इतनी आबादी बढ़ गई है, वो आबादी कहां से बढ़ी? हिन्दू ही दूसरे धर्म में कनवर्ट हुए हैं या कोई दूसरे धर्म वाले हिन्दू बने? हिन्दू ही दूसरे धर्म में कनवर्ट हुए। नहीं समझ में आया? तुम्हारी समझ में ये बात आई नहीं? कि यहाँ वाले ही जो देवता बनते हैं नंबरवार अभी नम्बरवार ब्राह्मण बन रहे हैं। कच्चे ब्राह्मण बनते हैं तो वो ही वहाँ कनवर्ट हो जाते हैं। कच्चे देवता बनते हैं कम कला वाले। और फिर द्वापरयुग से दूसरे धर्मों में कनवर्ट हो जाते हैं। फिर जब शिवबाबा आते हैं तो दूसरे धर्म को छोड़करके फिर इधर आ जाते हैं। अभी यहाँ इतने बैठे हुए हैं। अब फाइनल पेपर शुरू होगा तो पता नहीं कितने छोड़-छोड़ करके कोई विष्णु पार्टी में चला जाएगा, कोई कहाँ चला जाएगा, कोई कहाँ चला जाएगा। थोड़े से बचेंगे।

**Time: 34.29-36.27**

**Student:** Baba, will a person be born in the same religion to which he belongs or does he move from one religion to the other and from the other religion to yet another one?

**Baba:** OK, when the Copper Age begins, will those who belong to the Deity religion not go from this religion to that religion? Tell me. When the Copper Age begins, then the 8-10 billion deities belonging to the Deity religion who are born in the Golden Age and the Silver Age convert to other religions or not? *Arey*, the population has increased so much in the world; how did that population increase? Did only the Hindus convert to other religions or did people of other religions become Hindus? It is only the Hindus who converted to other religions. Did you not understand? Didn't you understand this topic? That those who are to become deities number wise here itself, are becoming number wise Brahmins now. Those who become weak Brahmins convert [in other religions] there (in the Copper Age). They become incomplete deities with fewer celestial degrees. And then they convert to other religions from the Copper Age. Then, when Shivbaba comes, they leave other religions and come here. Now, so many people are sitting here. When the final examination begins, then who knows how many will leave and go to Vishnu Party or somewhere else. Very few will be left.

**दूसरा जिज्ञासु:** एडवांस में भी कच्चे ब्राह्मण हैं?

**बाबा:** एडवांस में। बेसिक में जड़ें हैं? आधारमूर्त जड़ें हैं कि नहीं? (जिज्ञासु-है।) तो जड़ों के नीचे बीज नहीं होते हैं? तो यहाँ वैरायटी बीज भी हैं। कोई बीज बहुत कड़क छिलके वाले हैं। कोई बीज

ऐसे हैं कि जिनमें थोड़ा सा ज्ञान का जल का छींटा पड़ा, ... जो छिलका है वो फूल करके अपने आप अलग हो जाता है।

**Another Student:** Are there incomplete Brahmins even in the advance (party)?

**Baba:** In advance.... Are there roots in the basic (i.e. among the BKs)? Are there the base like roots (*aadhaarmoort jarein*) or not? (Student: Yes.) So, aren't there seeds below the roots? So, there are variety seeds here as well. Some seeds have a very hard peel. Some seeds are such that as soon as a drop of water of knowledge falls on them ... the peel swells and separates (from the seed) automatically.

**समय: 36.33-39.09**

**जिज्ञासु:** बाबा, आदि में बाप यज्ञ से चले गये तो साथ बच्चे भी चले गए। उसमें आठ ही बच्चे रहे होंगे जो बाप के साथ चले गए यज्ञ छोड़के?

**बाबा:** क्यों और ये सब (यहां) बैठे हैं वो नहीं थे क्या नम्बरवार? ये बच्चों की लिस्ट में नहीं हैं? ये यज्ञ के पूर्व जन्म में जो थे, वो ही आये हैं या कोई दूसरे आये हैं? या तो ऐसे आए होंगे जिनकी उमर ७०-७२ साल से ऊपर है। तो वो राम बाप वाली आत्मा के साथ रहे होंगे पूर्व जन्म में इसलिए यहाँ आ गए। ऐसा कोई भी नहीं होगा कि जो पूर्व जन्म में राम बाप वाली आत्मा के साथ न रहा हो। चाहे यज्ञ से पहले और चाहे यज्ञ के शुरू होने के बाद और वो यहाँ एडवांस में आ जाए। ये सब द्विजन्मा ब्राह्मण हैं। द्विजन्मा माने? दूसरा जन्म लेकरके आए हैं।

**Time: 36.33-39.09**

**Student:** Baba, when the Father left the *yagya* in its beginning, the children also left with him. Did only eight children depart from the *yagya* along with the father?

**Baba:** Why? Were all these who are sitting (here) not present number wise (according to their capacity)? Are these not included in the list of children? Have those, who were present in the beginning of the *yagya* come here or have someone else come? Otherwise, those who have crossed 70-72 years must have come. So, they must have been with the soul of Father Ram in the past birth; this is why they have come here. There will not be anyone who was not with the soul of father Ram in the past birth, whether it is before the *yagya* or after the beginning of the *yagya* and they come here in advance (party). All these are *dwijanma* (twice-born) Brahmins. What is meant by *dwijanma*? They have come here after being born again.

**जिज्ञासु:** अंत तक टिकेंगे?

**बाबा:** अंत तक तो नंबरवार ही टिकेंगे। जिन्होंने आदि में जैसा पार्ट बजाया होगा, आदि में अंत तक सहयोगी बने होंगे तो यहाँ भी अंत तक सहयोगी बनेंगे। आदि सो अंत। अष्टदेव ऐसे होंगे जिन्होंने पहले भी सन् ४२ तक पार्ट, साथ दिया होगा प्रजापिता का। बहुत से होंगे, वो बीच में ही .... हो हल्ला जब शुरू हुआ।

**जिज्ञासु:** तो अंत की निशानियाँ क्या होंगी?

**बाबा:** अंत की निशानियाँ – जल्दी, जल्दी, भागेंगे छोड़करके। ब्रह्मा को तो १००० भुजाएं दिखाते हैं, विष्णु को भी भुजाएं दिखाते हैं। विराट रूप में कितनी भुजाएं दिखाई हैं विष्णु की? ढेर की ढेर

भुजायें दिखाई हैं। लेकिन शंकर को? शंकर को इतने ज्यादा सहयोगी नहीं दिखाते हैं। क्यों नहीं दिखाते? क्योंकि शंकर का पार्ट बहुत कठोर पार्ट है। उसका कठोर पार्ट का साथ सब कोई सदाकाल नहीं दे सकता। पावरफुल आत्माएं, वो ही सदाकाल साथ दे पाती हैं। वो भी गिनी चुनी हैं ज्यादा नहीं हैं। शंकर को ज्यादा से ज्यादा ४ भुजाएं दिखायेंगे। बस।

**Student:** Will they remain till the end?

**Baba:** They will remain till the end *number wise*. Whoever has played whatever kind of part in the beginning, whoever was helpful till the end in the beginning, will become helpful till the end even here. Whatever happened in the beginning happens in the end. The eight deities will be such that they would have [played] their part and remained with Prajapita in the past as well, till 42. There must be many who [left] in between, when the uproar began.

**Student:** So, what would be the indications of the end?

**Baba:** The indications of the end: they will leave [the Father] and run away quickly. Brahma is shown to have 1000 arms. Vishnu is also shown to have arms. How many arms is Vishnu shown to have in the cosmic form (*viraat roop*)? Numerous arms have been shown. But what about Shankar? Shankar is not shown to have so many helpers. Why isn't he shown [to have many helpers]? It is because Shankar's part is a very strict part. Everyone cannot remain with that strict part forever. Only the powerful souls are able to give company to him forever. Even they are very few, not more. Shankar will be shown to have 4 arms at the most. That is all.

**समय: 44.08-45.17**

**जिज्ञासु:** बाबा, ये मनन चिंतन नहीं चलता है। उसके लिए युक्ति बताइये।

**बाबा:** मनन चिंतन इसलिए नहीं चलता है कि बुद्धि देह में घुसी रहती है, मिट्टी में। अगर मुर्दा बनकरके मुर्दाघाट में पड़ा रहे तो सारी दुनिया मुर्दा हो गई। कहाँ के वासी हो गए? शमशान घाटवासी हो गए। भगवान जब आए तो मुसलमान क्या कहते हैं? अल्ला ताला जब आयेंगे तो क्या करेंगे? कब्र दाखिल निकालेंगे। कब्र से आकर, जो कब्र में दाखिल हुए पड़े हैं उनको निकालेंगे। कब्रदाखिल का मतलब क्या हुआ? (सबने – देहभान।) देहभान रूपी मिट्टी में घुस गए। उन्हें बस देह, देह ही याद आती रहती है। और कुछ देह के अलावा याद आता ही नहीं। देह में भी पुरुष की देह नहीं याद आती है इतनी। कौनसी देह याद आती है? वो स्त्री चोला ज्यादा याद आता है जो गड़ढा बना हुआ है। अब बुद्धि उसमें लगी हुई है तो बुद्धि नीचे जाएगी या ऊपर जाएगी? नीचे जाएगी। मनन चिंतन मंथन चल न सके।

**Time: 44.08-45.17**

**Student:** Baba, I am unable to think and churn (about the knowledge). Please give some idea for that.

**Baba:** You are unable to think and churn because the intellect is busy in the body, in the soil. If someone keeps lying in the mortuary like a corpse, then the entire world is dead. They become residents of which place? They become residents of the cremation ground. When God came; what do the Muslims say? When Allah Tala comes, what will He do? He will take out the corpses from the graves (*kabra*). He will come and take out those who are lying in the graves. What is meant by being in the grave (*kabradaakhil*)? (Everyone said: Body consciousness.) They went into the mud of body consciousness. They keep remembering just the body. They do



not remember anything other than the body at all. Even in case of body, they do not remember the male body much. Which body do they remember? The female body, the pit comes to their mind more. Well, when the intellect is busy in that, will the intellect go down or up? It go down. The thinking and churning cannot take place.

**समय: 45.18-46.57**

**जिज्ञासु:** बाबा, आज बाबा ने मुरली में बोला था कि आगे चलकरके बाबा तीखी दृष्टि देंगे।

**बाबा:** हाँ ।

**जिज्ञासु:** जिससे बच्चों की बुद्धि तीव्र होगी।

**बाबा:** ठीक है।

**जिज्ञासु:** तो अब तो (वो) समय आ गया है।

**बाबा:** अब समय आ गया? अभी ढेर के ढेर भरे पड़े हैं। अभी सब पाण्डव हैं या पाण्डवों के साथ-साथ कौरव और यादव सम्प्रदाय भी घुसे बैठे हैं? विष पीने वाले घुसे बैठे हैं कि नहीं बैठे हैं? ब्रह्माकुमारियों को अपनी अम्मा ही समझने वाले बैठे हैं या गंदी दृष्टि रखने वाले भी, कीचक भी, घुसे बैठे हैं? बोलो।

**जिज्ञासु:** सभी बैठे हैं।

**बाबा:** सभी बैठे हैं। तो फिर तीखी दृष्टि किसे दी जाए?

**Time: 45.18-46.57**

**Student:** Baba, Baba had said in today's murli that He will give a powerful *drishti* in future.

**Baba:** Yes.

**Student:** The intellect of the children will become sharp by that.

**Baba:** It is correct.

**Student:** So, now the time has come.

**Baba:** Has the time arrived now? There are numerous kinds of souls filled [in the Brahmin world] now. Is everyone a Pandava now or are there those of the Kaurava and the Yadava community who are sitting among them (the Pandavas)? Are those who drink poison sitting among them or not? Are there just those who consider the Brahmakumaris to be mothers or are there those who have a dirty vision, who are Keechaks<sup>3</sup> as well? Speak up.

**Student:** All kinds of people are sitting.

**Baba:** All kinds of people are sitting. So, then whom should the powerful *drishti* be given to?

**जिज्ञासु:** शिवबाबा को तो ये मालूम ही है कि कौन आत्मा कैसी है।

**बाबा:** कौन आत्मा कैसी है तो पहले संगठन अच्छा बनाय लेंगे ना। ये ब्राह्मणों का किला ऐसा बन जावेगा जिसमें एक भी विकारी घुस के बैठ न सके। जब देखेंगे कि सब अच्छे हैं, उसमें गंद फैलाने वाला एक भी नहीं है, वातावरण को खराब करने वाला एक भी नहीं है, तब दृष्टि तीखी देंगे।

**जिज्ञासु:** कब?

**बाबा:** जब ऐसा आप करेंगे तभी होगा।

<sup>3</sup> A villainous character in the epic Mahabharat; Baba defines them as dirty brutes

**जिज्ञासु:** बाबा एक के करने से नहीं होगा। सभी के करने से होगा।

**बाबा:** सभी के करने से होगा। एक के करने से थोड़े ही होगा।

**जिज्ञासु:** सभी का संस्कार मिलाने....

**बाबा:** और क्या संघौ शक्ति कलहयुगे। कलियुग में संगठन की ताकत काम करती है। एक आत्मा चाहे कि हम कर लेंगे अकेला चना भाड़ फोड़ दे सो तो होगा नहीं।

**Student:** But Shivbaba certainly knows which soul is of what kind.

**Baba:** Which soul is of what kind? So, first the gathering will be made good, will it not? This fort of the Brahmins will become such that not even a single vicious person can intrude and sit. When it is seen that all are good ones, there is not even a single person who spreads dirt, there is not even a single person who spoils the atmosphere, then the powerful *drishti* will be given.

**Student:** When?

**Baba:** It will happen only when you do like this.

**Student:** Baba, it will not happen if just one person does it. It will happen if everyone does it.

**Baba:** It will happen if everyone does. It will not happen if just one person does it.

**Student:** To harmonize everybody's sanskars....

**Baba:** Yes. *Sanghau shakti kalahyugey*. The power of gathering works in the Iron Age. If a soul thinks that it will perform the task alone, then that cannot happen.

**समय: 48.08- 48.48**

**जिज्ञासु:** बाबा, बुद्धि श्रेष्ठ ही बना रहे, ऊंची स्टेज हो जाए उसके लिए क्या पुरुषार्थ करना है?

**बाबा:** संग का रंग भूल गए?

**जिज्ञासु:** संग का रंग बाबा कंटीन्यू तो लगा नहीं पायेंगे।

**बाबा:** क्यों? तो सतयुग में भी नहीं जाएंगे।

**जिज्ञासु:** स्मृति विस्मृति तो चलती है बाबा।

**बाबा:** क्यों चलती है? जब संग का रंग अच्छा लगेगा, अच्छे ही संग में रहेंगे तो अच्छी ही बुद्धि बनेगी ना। अन्न दोष और संगदोष ये ही तो नीचे गिराने वाले हैं।

**Time: 48.08- 48.48**

**Student:** What *purusharth* should be made to ensure that the intellect always remains elevated and the stage becomes high?

**Baba:** Did you forget about the colour of the company?

**Student:** Baba, we cannot remain continuously in the company [of Baba].

**Baba:** Why? You we will not be able to go to the Golden Age either.

**Student:** Remembering and forgetting keeps happening Baba.

**Baba:** Why does it happen? If the colour of company is good, if you remain only in the good company, then the intellect will always remain good, will it not? It is only bad food and bad company which cause downfall.

**समय: 17.54-21.57**

**जिज्ञासु:** बाबा, 500 करोड़ आत्माओं में, 84 जन्मों में.... जैसे तुलसीदास का अभी क्लियर हो रहा है, वाल्मिकी का अभी क्लियर हो रहा है जन्म...

**बाबा:** 500 करोड़ आत्माओं के 84 जन्म थोड़े ही होते हैं।

**जिज्ञासु:** नहीं इसमें मुख्य जन्म जो है वो राम वाली आत्मा के हैं।

**बाबा:** ठीक है। हीरो पार्टधारी का मुख्य जन्म है।

**जिज्ञासु:** इस सृष्टि पर सबसे हीरो पार्टधारी राम वाली आत्मा हो गई बाबा।

**बाबा:** ठीक है।

**जिज्ञासु:** उसके बाद फिर सभी नम्बरवार है।

**Time: 17.54-21.57**

**Student:** Baba among the 5 billion souls, in the 84 births.... for example, [the part of] Tulsidas is being cleared now, the birth of Valmiki is being cleared now...

**Baba:** The 5 billion souls don't have 84 births.

**Student:** No, the important roles [of all those who have 84 births] are of the soul of Ram.

**Baba:** It is correct. The hero actor plays the important roles.

**Student:** Baba, the No.1 hero actor on this world is the soul of Ram.

**Baba:** It is correct.

**Student:** All are number wise (according to their ranks) after that.

**बाबा:** फिर नम्बरवार है। ... फिर नम्बरवार कौन है? फिर दूसरा नम्बर किसका देंगे? पहला नम्बर तो राम वाली आत्मा हो गई। वो तो विश्व का बादशाह हो गई। फिर दूसरा नम्बर आप किसको देंगे? ये भी तो एक प्रश्न है। किसको देंगे?

**जिज्ञासु:** बच्चे को देंगे बाबा ना।

**बाबा:** कौन बच्चा?

**जिज्ञासु:** कृष्ण बच्चे को।

**बाबा:** 8 बच्चे फिर कहाँ जायेंगे? कृष्ण बच्चे को तो सिर पर नहीं रखते हैं। सिर के ऊपर किसको रखते हैं? भगवान के सिर के ऊपर कौनसे मणके रखे जाते हैं? 8 रखे जाते हैं। कृष्ण को तो; चन्द्रमाँ यहाँ नीचे रखा जाता है।

**Baba:** They are number wise. ... Who are number wise after him? Then, whom will you give the 2<sup>nd</sup> position? ☺ The soul of Ram is No.1. He is the emperor of the world. Then, whom will you give the 2<sup>nd</sup> position? This is also a question. Whom will you give it to?

**Student:** It will be given to the child.

**Baba:** Which child?

**Student:** The child Krishna.

**Baba:** Then, where will the 8 children go? Child Krishna is not place on the head. Who is placed on the head? Which beads are placed on the head of God? 8 [beads] are placed. Krishna, the Moon is placed below, here (on the forehead).

**जिज्ञासु:** कृष्ण से बड़े 8 देव हो गये?

**बाबा:** अब बताओ, आप बताओ कि बड़ा कौन हो गया। 8 देव बड़े या कृष्ण बच्चा बड़ा? ऊंचा पद पाने वाला, विशेष ज्यादा सुख संसार का भोगने वाली आत्मा कौन होगी?

**जिज्ञासु:** 8 देव होंगे।

**बाबा:** 8 देव?

**जिज्ञासु:** वो तो जटाओं में रहेंगे बाबा।

**बाबा:** वो जटा में रहेंगे।

**जिज्ञासु:** और वो तो माथे पर रहेगी।

**बाबा:** हाँ, वो माथे पर रहेगी। भाई, तुम्हारी बात सर माथे पर। तुम हमारे सर माथे पर। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) अरे, सिर के ऊपर तो गंगा भी रहती है। सिर के ऊपर चढ़ना अच्छी बात है कि खराब बात? (किसीने कुछ कहा।) हाँ। एक होता है जबरदस्ती सिर के ऊपर चढ़ के बैठना और एक होता है, चढ़ाने वाला खुद सिर के ऊपर चढ़ा ले प्यार में आकर। तो ज्यादा अच्छा कौनसा हुआ?

**Student:** Are the eight deities greater than Krishna?

**Baba:** Now it is you who should tell us who is greater☺. Are the eight deities or child Krishna greater? Who will be the soul who receives a high position, who especially enjoys the maximum happiness of the world?

**Student:** It will be the eight deities.

**Baba:** The eight deities?

**Student:** They will be in his hair locks Baba.

**Baba:** They will be in his hair locks.

**Student:** And he (the Moon) will be on the forehead.

**Baba:** Yes, he will be on the forehead. Your words will be honored; you are placed on my head. (Student said something.) *Arey*, Ganga is also shown on the head. Is it something good to climb on the head or is it bad? (Someone said something.) Yes. One is to climb and sit on the head forcibly and the other is that the person places someone on his forehead out of love himself. So, which one is better?

**सभी:** जो प्यार से चढ़ा लिया गया।

**बाबा:** जो प्यार से चढ़ा ले वो आकरके.... गंगाजी ने क्या किया?

**किसीने कहा:** वो जबरदस्ती बैठ गई बाबा।

**बाबा:** वो सर में ही घुस के बैठ गई।

**किसीने कहा:** जटाओं में समा गई बाबा।

**बाबा:** हाँ। तो प्रश्न तो ज्यों का त्यों रह गया उसका जवाब क्या हुआ? कि आखिर राम वाली आत्मा के बाद फिर संसार में सबसे जास्ती सुख भोगने वाली, सबसे जास्ती ऊंच पद पाने वाली आत्मा कौन है? (किसीने कहा- जगदम्बा।) जगदम्बा? वो सबसे छोटा मणका है रुद्रमाला का। अच्छा दुनिया में....

**किसीने कहा:** बाबा, सूर्यवंशियों की माँ। सूर्यवंशियों की माँ, माने 8 मणकों में जो दूसरा मणका है? (जिज्ञासु- जी।) वो सबसे ऊंचा पद पाने वाला, सबसे ज्यादा सुख पाने वाला और सबसे ज्यादा मर्तबा पाने वाला है?

**जिज्ञासु:** नहीं, हीरो पार्टधारी के बाद।

**बाबा:** हीरो पार्टधारी के बाद हाँ।

**किसीने कहा:** राम बाप और कृष्ण बच्चा।

**बाबा:** कैसे? अब बोल तो दिया अनुमान लगा के, अब कैसे का जवाब दो।

**जिज्ञासु:** पहला पत्ता है, गद्दी का मालिक।

**बाबा:** उससे क्या मतलब होता है?....

**Everyone said:** The one who was place on the head out of love.

**Baba:** The one who is placed out of love.... What did Gangaji do?

**Someone said:** She sat forcibly.

**Baba:** She came and sat in the head itself☺.

**Someone said:** She merged in the hair locks.

**Baba:** Yes. So, the question remains as it is. What happened to the answer? Which is the soul who enjoys pleasures the most, who receives the highest position in the world after the soul of Ram?

**Someone said:** Jagadamba.

**Baba:** Jagadamba ☺? She is the smallest bead of the *Rudramala*. *Accha*, in the world...

**Someone said:** Baba, the mother of the *Suryavanshis*.

**Baba:** The mother of the *Suryavanshis*, meaning the 2<sup>nd</sup> bead among the 8 beads? (Student: Yes.) Is it the one who receives the highest position, who enjoys the maximum happiness and receives the maximum honour?

**Student:** No, after the hero actor.

**Baba:** After the hero actor, yes.

**Someone said:** the father Ram and the child Krishna.

**Baba:** How? You indeed gave the answer after guessing; now tell us how☺?

**Student:** He is the first leaf, the master of the throne.

**Baba:** How does that matter?

**समय: 23.04-29.10**

**बाबा:** ..... सवाल तो ये हैं कि 84 जन्मों में ऊंच ते ऊंच मर्तबा पाने वाली आत्मा राम वाली आत्मा के बाद कौन है? जो जन्म जन्मांतर ऊंच मर्तबा पाए, जन्म जन्मांतर सुख में रहे।

**जिज्ञासु:** कृष्ण की आत्मा द्वापर में विक्रमादित्य बनती है।

**बाबा:** अब बूढ़ा आदमी बात तो सही कह रहा है लेकिन किस आधार पर वो नहीं बता पा रहा है। हाँ, देखो भक्तिमार्ग में भी या दुनिया में भी कोई राजार्ये, महाराजार्ये, सम्राट होते हैं तो उनकी राजाई का मालिक कौन बनता है?

**जिज्ञासु:** उनके बच्चे।

**बाबा:** उनका बड़ा बच्चा। उसका बड़ा भाई बनता है क्या? (जिज्ञासु- नहीं।) छोटा भाई बनता है?

**जिज्ञासु:** नहीं बनता है।

**Time: 23.04-29.10**

**Baba:** .... The question is: who is the soul who receives the highest position in the 84 births after the soul of Ram, who receives a high position birth after birth, who receives happiness birth after birth?

**Student:** The soul of Ram becomes Vikramaditya in the Copper Age.

**Baba:** The old man is giving the right answer but is unable to tell us on what basis. Alright look, on the path of *bhakti* and also in the world, there are kings and emperors; who becomes the master of their kingdom?

**Student:** Their children.

**Baba:** Their eldest son. Does his (the king's or emperor's) elder brother [become the master]? (Student: No.) Does his younger brother [become the master]?

**Student:** He doesn't become.

**बाबा:** कोई महाराजा हो, कोई सम्राट हो और उसके छोटे-2 सात भाई हो तो उन सात भाइयों में से किसीको गद्दी मिलती है क्या? नहीं मिलती है। किसको मिलती है? (सभी- बेटे को।) उसके बड़े बेटे को मिलती है। तो ऐसे ही ये परम्परा कहाँ से पड़ी? संगमयुग में परम्परा पड़ी। संगमयुग में राम वाले आत्मा का जो डायरेक्ट बच्चा बनता है; ये जो 8 देव है वो तो जैसे भाई हो गये। क्या हो गये? ये तो भाई हो गये। ये उतना ऊंच मर्तबा नहीं पाने के हकदार है। ऊंच मर्तबा राम वाली आत्मा के बाद कौन पाने का हकदार है? कृष्ण वाली आत्मा ऊंच मर्तबा पाने की हकदार है। लक्ष्मी भी नहीं लक्ष्मी भी असिस्टेंट है। क्या? असिस्टेंट टू नारायण है। ऐसे नहीं कि राम वाली आत्मा शरीर छोड़ दे तो लक्ष्मी वाली आत्मा नारायण बनके, सम्राट बनके बैठ जायेगी, विश्व का मालिक बनके बैठ जायेगी। बनेगी? नहीं। हाँ उसको तब तक सम्भालना है जब तक बच्चा बड़ा हो जायें। तो शिवबाबा की दृष्टी में सबसे ऊंच आत्मा संसार की राम वाली आत्मा। उसके बाद? (सभी- कृष्ण वाली आत्मा।) कृष्ण वाली आत्मा। उसके बाद?

**Baba:** Suppose there is a king or an emperor and he has seven brothers who are younger to him. So, do any of the seven brothers receive the throne? They don't receive it. Who receives it? (Everyone: His son.) His elder son receives it. So similarly, where did this tradition begin from? The tradition began in the Confluence Age. The one who becomes the direct son of the soul of Ram in the Confluence Age... the eight deities are like his brothers. What are they? They are his brothers. They are not entitled to such a high position. Who is entitled to a high position after the soul of Ram? It is the soul of Krishna who is entitled to a high position. Lakshmi doesn't deserve it either. She too is his assistant. What? She is the assistant of Narayan. It is not that if the soul of Ram leaves his body, the soul of Lakshmi will become Narayan, the emperor, the master of the world. Will she become that? No. Yes, has to manage [the kingdom] till the son grows up. So, the soul of Ram is the highest soul in the world for Shivbaba. After him? The soul of Krishna. After him? ☺

**जिज्ञासु:** बाबा, उसी तरह से उनका पार्ट भी खुलेगा द्वापर से।

**बाबा:** द्वापर में खुला ना। राजा विक्रमादित्य खुला ना? पहला-2 बड़ा राजा कौन बना? राजा

विक्रमादित्य। भले उसका गुरु राम वाली आत्मा बनती रहें, उसको नाक पकड़के चलाती रहें। लेकिन मर्तबा किसका ऊंचा हुआ? बच्चे का मर्तबा ऊंचा है।

**जिज्ञासु:** उसके बाद बाबा किसका है?

**बाबा:** दुनिया में देखो, आज की दुनिया में, आज की हिस्ट्री में देखो ऊंचे ते ऊंचे मर्तबे वाले, महान ते महान कौन हुए हैं? चलो देवी-देवता सनातन धर्म में तो बता ही सकते हो कौन-2 हुए हैं। कौन हुए हैं? जिनका बहुत गायन है, बहुत मर्तबा है? वो कौन है? अरे? अरे, राम और कृष्ण। कौन है मर्तबे वाले? राम और कृष्ण। अच्छा ये तो देवी-देवता सनातन धर्म में हो गये। अब इसके बाद दूसरे धर्म में महान ते महान कौन हुए? महान पार्टधारी कौन है? जिनका अपने-2 धर्मों में बड़ी महानता गाई हुई है, बहुत महान रूप में देखे जाते हैं, समझे जाते हैं?

**जिज्ञासु:** द्वापर से इब्राहिम है...।

**Student:** Baba, their part will also be revealed from the Copper Age in the same way.

**Baba:** It was revealed in the Copper Age, wasn't it? [The part of] king Vikramaditya was revealed, wasn't it? Who became the big king first of all? King Vikramaditya. It doesn't matter that the soul of Ram keeps becoming his guru, and directs him. However, whose position is high? The son's position is high.

**Student:** Whose receives a high position after him (Krishna)☺?

**Baba:** See in the world, in today's world, in today's history; who are the ones who have the highest position, who are the greatest ones? Well, you can certainly tell [me] who they are in the Ancient Deity religion. Who are the ones who are praised a lot, who have a great position? Who are they? *Arey? Arey*, Ram and Krishna. Who are the ones with a [high] position? Ram and Krishna. Alright, they are [the ones who receive a high position] in the Ancient Deity religion. Now, who are the greatest people in the other religions after them? Who are the great actors whose greatness is praised a lot in their religion, who are looked upon as great personalities, who are considered to be great?

**Student:** It is Abraham from the Copper Age.

**बाबा:** इब्राहिम है। इब्राहिम इस्लाम धर्म में जितना ऊंचा माना जाता है उतना और रिगाई किसीको नहीं देंगे। ऐसे ही बौद्ध धर्म में महात्मा बुद्ध को जितना ऊंचा मानेंगे उतना और किसीको नहीं मानेंगे। (किसीने कहा- क्रिश्चन में...।) हाँ, क्राईस्ट। मोहम्मद, शंकराचार्य, गुरु नानक। तो ये खास-2 धर्मपितायें हुए ना? सृष्टि चक्र में भी महान ते महान कौन? किनके चित्र दिखाये हैं? अरे, सृष्टि चक्र में बड़े-2, महान-2 पार्टधारी है पाँच-सात? वो कौन दिखाये हैं? इन्ही हो दिखाया गया है। संगमयुग में संगमयुगी राधा-कृष्ण, सतयुग में सतयुगी राधा-कृष्ण, त्रेता में राम-सीता, द्वापर के आदि में इब्राहिम, बुद्ध, क्राईस्ट। तो पाँच-सात मुख्य-2 पार्टधारियों की मैं जीवन कहानी बताता हूँ। कौन बताता है? शिवबाबा आते हैं (तो) चाहे झाड़ का चित्र हो, चाहे सृष्टि चक्र का चित्र हो कितने महान है शिवबाबा की बुद्धि में जिनकी जीवन कहानी बताता है आके नम्बरवार? वो ही पाँच-सात एक्टर्स है। ग्रेट-2 ग्रैंडफादर्स क्यों कहा जाता है?

**Baba:** It is Abraham. Nobody else will be considered as great as Abraham or given as much regard as he is among the people of Islam. Similarly, in the Buddhist religion nobody else will

be considered as high as Mahatma Buddha. (Someone said: Among the Christians...) Yes, Christ, Mohammed, Shankaracharya, Guru Nanak. So, these are the special religious fathers aren't they? Who are the greatest people even in the picture of the World Drama Wheel? Whose pictures have been shown? Arey, are there 5-7 big, great actors in the [picture of the] World Drama Wheel? Who have been shown? These very ones have been shown. The Confluence Age Radha-Krishna in the Confluence Age, the Radha-Krishna of the Golden Age in the Golden Age, Ram-Sita in the Silver Age, Abraham, Buddha, Christ in the beginning of the Copper Age. So, I tell you the life story of the 5-7 main actors. Who tells it? When Shivbaba comes; whether it is the picture of the [Kalpa] Tree or the picture of the World Drama Wheel, how many great people are there in Shivbaba's intellect, whose life story He narrates number wise after coming? They are those very 5-7 actors. Why are they called the great-great grandfathers?

**जिज्ञासु:** बाबा, लक्ष्मी का भी तो नम्बर होना चाहिये वो भी....।

**बाबा:** वो तो असिस्टेंट है। आप असिस्टेंट इंस्पेक्टर बन गये तो आपकी ज्यादा मान्यता होगी या चीफ की ज्यादा मान्यता होगी?

**जिज्ञासु:** चीफ की।

**बाबा:** असिस्टेंट एक होता है कि बीसियों होते हैं? असिस्टेंट तो ढेर होते हैं। मुखिया तो एक होता है।

**Student:** Baba, Lakshmi's number should also be [among the great actors], she too...

**Baba:** She is the assistant. If you become an assistant inspector, will you receive more respect or will the chief receive more respect?

**Student:** The chief [will receive more respect].

**Baba:** Is there [just] one assistant or are there many of them? There are many assistants. [But] the chief is only one.

#### समय: 48.57-57.05

**जिज्ञासु:** संगठन जो होता है, संगठन का मतलब है कि सभी के संस्कार मिलें, बैठकर के बातचीत करें।

**बाबा:** बिल्कुल। और क्या? संगठन का मतलब क्या है? क्लास होता है; क्लास इसीलिये होता है कि आपस में मिल बैठकरके सबके संस्कार मिलें। जो संस्कार नहीं मिलाना चाहते वो संगठन में आयेंगे ही नहीं।

**दूसरा जिज्ञासु:** बाबा बहुत ऐसे हैं जो मुरली सुने और चल दिये।

**बाबा:** हाँ तो उन्हें संगठन से लेना-देना ही नहीं।

**जिज्ञासु:** बातचीत भी नहीं करते हैं। कोई संगठन में बाहर के लोग आ जाते हैं तो उन्हीं की आवभगत में लगे रहते हैं। जो असली ब्राह्मण परिवार है उनसे लेन-देन करना चाहिए।

**बाबा:** ठीक है। लेन-देन करना चाहिए ना। क्या सेवा की, क्या सेवा में कठिनाइयाँ आईं।

#### Time: 48.57-57.05

**Student:** The *sangathan* (gathering) that takes place; *sangathan* means that the *sanskars* of everyone should match; they should sit together and converse (with each other).



**Baba:** Certainly. What does *sangathan* mean? Class takes place; a class takes place so that everybody sits together, everybody's *sanskars* match [with each other]. Those who do not wish to match their *sanskars* will not come to the *sangathan* at all.

**Second student:** Baba, there are many who listen to murli and go away.

**Baba:** Yes, it means they do not have anything to do with the *sangathan*.

**Student:** They do not even talk (to each other). They remain busy in the hospitality of the outsiders who come to the *sangathan*. They should interact with the true Brahmin family.

**Baba:** It is correct. They should interact (with the Brahmin family) [regarding,] what service they did, what difficulties they faced in service.

**तीसरा जिज्ञासु:** आपने मुरली में बोला है अनेकों से दुर्गति, एक से सुनेंगे तो सद्गति।

**बाबा:** अच्छा, संगठन किसका है? शिवबाबा का है, शिवबाबा के परिवार का संगठन है या अनेकों परिवार का संगठन है?

**तीसरा जिज्ञासु:** शिवबाबा के परिवार का।

**बाबा:** शिवबाबा का परिवार। शिवबाबा को बीच में डालो। परिवार तो शिवबाबा का है, न कि इब्राहिम, बुद्ध, क्राइस्ट का है।

**तीसरा जिज्ञासु:** बाबा, लेकिन कई बार आपने बार-बार यही बोला कि अनेकों से नहीं सुनना है।

**बाबा:** अनेकों से सुनना नहीं है। ये कहाँ कहा कि तुम अनेकों की सुनो? सुनो एक की लेकिन संस्कार तो सब बच्चों से मिलाके रखना चाहिए ना। जैसे नारायण वाली आत्मा हमारा लक्ष्य है। हमारा लक्ष्य क्या है जीवन का? नारायण बनना नर से। तो नारायण का विशेष स्वभाव - संस्कार, विशेष उसकी योग्यता क्या है? नारायण बनने वाली आत्मा की विशेष पहचान होगी उसकी सबसे बनेगी। क्या? नारायण बनने वाली आत्मा की ये खासियत है, खसूसियत है। क्या? वो सबके साथ मिलाकरके रखेगी। दूसरा भल कोई भाग जाए छोड़ के। लेकिन वो किसी को छोड़ने वाली, धक्का देने वाली नहीं होगी। सबके साथ मिलाके रखेगी। सबके संगठन के बीच में रहने वाली बनेगी। ये नहीं कि हम इसके साथ नहीं रहेंगे। हम इसको अपने साथ नहीं रखेंगे। लेकिन हो तो परिवार का।

**Third student:** You have said in the murli, "If you listen from many it causes degradation and if you listen from one it leads to true salvation".

**Baba:** *Accha*, whose *sangathan* is it? Is it a gathering of Shivbaba, the family of Shivbaba or is it a gathering of many families?

**Third student:** It is a gathering of Shivbaba's family.

**Baba:** Shivbaba's family. Put Shivbaba in between. The family belongs to Shivbaba and not to Abraham, Buddha [and] Christ.

**Third student:** Baba, but many times you have repeatedly said that we should not listen from many.

**Baba:** You should not listen from many. It has not been said that you should listen from many. Listen to one but you should match your *sanskars* with all the children, shouldn't you? For example, the soul of Narayan is our aim. What is the aim of our life? To transform from a man to Narayan. So, what is the special nature and *sanskar*, special virtue of Narayan? The special indication of the soul who is to become Narayan is that he will get along with everyone. What? This is the specialty (*khasoosiyat*) of the soul who is to become Narayan. What? He will get

along with everyone. Although others may leave and run away. But he will not leave anyone. He will not chase away anyone. He will mingle with everyone. He will live in the gathering of everyone. It is not that [he will say:] “I will not live with this one. I will not keep this one with me”. But they should belong to our family.

**जिज्ञासु:** बाबा जो ये संगठन होता है तो उसमें सिर्फ बाहर के लोगों के लिये नहीं, ब्राह्मण परिवार के लिये भी होना चाहिए।

**बाबा:** ब्राह्मण परिवार का होना चाहिए। ब्राह्मण परिवार का मतलब जो भट्टी करके बच्चा बना हो। फिर रेग्यूलर संगठन करता हो। बच्चा पैदा होता है तो परिवार में पलता है या जंगल में चला जाता है? परिवार में पलता है। तो परिवार में पालना लेने वाला हो। संगठन ही अटैण्ड नहीं करता, क्लासेज़ ही अटैण्ड नहीं करता तो फिर बच्चा काहे का रह गया? बाबा भी कहते हैं कोई बच्चा दो महीने तक बाप को पत्र नहीं लिखता, पत्र भी नहीं लिखता तो बाप क्या समझते हैं? मर गया।

**जिज्ञासु:** क्योंकि ब्राह्मण परिवार रहेगा तो ..... बातचीत भी होगी। बाहर के लोग आ जाते हैं तो.....

**बाबा:** जो बाहर के लोग आ जाते हैं तो उन्हें अटैण्ड करो। एक-दो समझाने वाले भाई उनको ले जाके कहीं अलग कमरे में ले जाओ, वहाँ समझाओ उनको। कोई कुछ भी नहीं समझाना जानता है तो कम से कम हाथ में लेने वाली वी.सी.डी, डी.वी.डी प्लेयर होता है वो लेकरके बाबा की जनरल कैसट तो किसीको भी सुना सकता है। कोई भी नया आये, ले जाओ एक कमरे में, उसको जनरल वी.सी.डी सुनाना शुरू कर दो क्योंकि वो तो आया ही है यहाँ क्या होता है, क्या सुनाया जाता है? (जिज्ञासु- जानने के लिये आता है।) हाँ जिज्ञासु है तब तो आया है।

**Student:** Baba, members of the Brahmin family should also participate in the gathering, not only the outsiders.

**Baba:** Members of Brahmin family should participate. Brahmin family means the one who has undergone *bhatti* and has become a child and then attends the gathering regularly. When a child is born, is he sustained in the family or does he go to a jungle? He is brought up in the family. So, he should be the one who is brought up in the family. If someone does not attend the gathering itself, if he does not attend the classes at all, then in what way is he a child? Baba too says, if a child does not write letter to the Father for two months, if he does not write even a letter, then what does the Father think? He (i.e. the child) has died.

**Student:** It is because if it is a (gathering of) Brahmin family, there will also be some conversation. If outsiders come, then...

**Baba:** If outsiders come, attend to them. One or two brothers who can explain (the knowledge) should take them to a separate room and explain to them over there. If someone does not know to explain anything, then he can take a VCD, DVD player and play Baba's general cassette for anyone. If a new person comes, take him to a room and a general VCD to them because he has come only to find out, what happens here, what is narrated here. (Student: to know.) Yes, he is a seeker of knowledge; it is only then that he has come.

**जिज्ञासु:** संस्कार नहीं मिलता ना।

**चौथा जिज्ञासु:** बाबा महीने का संगठन तो ऐसे लोगों के यहाँ भी रखा जा रहा है जिनके युगल ही नहीं चलते हैं।

**बाबा:** जिनके युगल चलते ही नहीं?

**चौथा जिज्ञासु:** जी।

**बाबा:** तो ऐसी जगह तो नहीं रखना चाहिए। कम से कम युगल चलते हों। उस जगह लक्ष्मी-नारायण का मन्दिर हमारा... हमारा लक्ष्य है।

**चौथा जिज्ञासु:** बाबा, कहने पर विरोध कर जाते हैं।

**बाबा:** तो गलत बात है। विरोध तो नहीं होना चाहिए।

**जिज्ञासु:** और बाबा, जिसके यहाँ संगठन है वो खुद नहीं कहेगा। उसके दूसरे लोग कहेंगे। पर्ची बांटे जाते हैं। किसी को मिलेगा, किसी को नहीं मिलेगा।

**बाबा:** नहीं, नहीं। ये गलत बात है।

**जिज्ञासु:** उसको किसी ने देखा ही नहीं कि किसके यहाँ संगठन है।

**Student:** The *sanskars* do not match.

**Fourth Student:** Baba, the monthly *sangathans* are being organized at the homes of such people whose partner (husband/wife) does not follow the path of knowledge.

**Baba:** Those whose partner does not follow the path of knowledge at all?

**Fourth student:** Yes.

**Baba:** So, it should not be organized at such places. At least the partner should follow (the path of knowledge) the temple of Lakshmi-Narayan in that place.... That is our aim.

**Fourth student:** Baba, when we say this, they oppose us.

**Baba:** Then, it is wrong. There should not be any opposition.

**Student:** And Baba, the one at whose place the *sangathan* is being organized does not speak himself. Others speak on his behalf. Chits will be distributed. Some receive it; some don't.

**Baba:** No, no. It is wrong.

**Student:** ....

**बाबा:** युगलों के घर में माना लक्ष्मी-नारायण के मन्दिर में ही हमारा संगठन होना चाहिए। ताकि हमें याद रहे बुद्धि में कि हमें क्या बनना है? हमें लक्ष्मी-नारायण का मन्दिर जैसा बनना है।

**जिज्ञासु:** कभी माताओं को आगे नहीं रखते हैं। हमेशा भाई लोग आगे बढ़ते हैं। कभी माताओं से कुछ नहीं पूछेंगे।

**बाबा:** तो फिर वो ही हाल होगा जैसा ब्रह्माकुमारियों का हुआ है। अगर माताओं को आगे नहीं रखेंगे, माताओं की अवहेलना करेंगे, तिरस्कार करेंगे तो अंत में ये ही रिजल्ट आना है एडवांस पार्टी का जो ब्रह्माकुमारियों का रिजल्ट अभी आ रहा है। पाण्डवों को सिर्फ गार्ड बन करके रहना है। गार्ड माना दास-दासी। कन्याओं-माताओं का। अगर गार्ड बन करके बैठे, गार्ड माने चलाने वाला, डायरेक्टर बनकरके बैठ गए, तो विध्वंस हो जाएगा और ये विध्वंस अभी दिखाई पड़ रहा

है। अभी बाबा है तब तो ठीक है। कहीं खुदा न खास्ता बाबा विदेश में चले गए या गुप्त हो गए, फिर देखो मजादारी । अभी सामने है तब ये हाल है।

**Baba:** Our *sangathan* should be held only in the homes of couples, i.e. in the temple of Lakshmi and Narayan so that we remember: what do we have to become? We have to become like the temple of Lakshmi and Narayan.

**Student:** Baba (they) never keep the mothers ahead. It is always the brothers who move ahead; they do not consult the mothers at all.

**Baba:** Then the condition will be the same as that of the Brahmakumaris. If the mothers are not kept ahead, if the mothers are disregarded, if they are insulted, then the result of the advance party in the end will be the same as it is being seen in case of the Brahmakumaris now. The Pandavas should remain just the guards. A guard means servants and maids of virgins and mothers. If they become guides, i.e. controllers, directors, then the destruction will take place and this destruction is being witnessed now. Now it is all right when Baba is present. If, by chance, Baba goes abroad or becomes hidden, then just see the fun. Now even when He is in front of us, this is the condition.

**पांचवां जिज्ञासु:** बाबा, जिनके युगल ज्ञान में चलते हों लेकिन वो न चलते हों। उनके यहाँ संगठन चल सकता है क्या?

**बाबा:** माने युगल ज्ञान में एक चलता है एक नहीं चलता है। उनके यहाँ संगठन रखने का क्या मतलब है? (किसी ने कुछ कहा।) नहीं। तो गलत बात है। नहीं गलत बात है। ना झगड़ा करने की बात ही नहीं। बात मानना ही नहीं है। ये तो बाबा ने बोल दिया है – श्रीमत पे चलना है। मनमत पे और मनुष्य मत पर थोड़े ही चलना है। जाना ही नहीं है। (किसी ने कुछ कहा।) कोई विरोध करने की बात नहीं है। जाना ही नहीं है। जब कोई जाएगा ही नहीं तो अपने आप टाय-टाय....?

**Fifth student:** Baba, can *sangathan* be organized at the homes of those whose partner does not follow the path of knowledge?

**Baba:** It means that one (partner) follows the path of knowledge and other does not? Is there any meaning in organizing a *sangathan* at their place? (Someone said something.) No. Then, it is wrong. No, it is wrong. No, there is no need to fight. You should not accept what they say at all. Baba has said, “You have to follow the *shrimat*. You should not follow the opinion of the mind or the opinion of human beings”. You should not go there at all. (Someone said something.) There is no need to oppose. You should not go. When nobody goes, then it will fizzle out automatically.

**पांचवां जिज्ञासु:** मतलब हम लोग संगठन वहाँ रखें जहाँ युगल चलते हैं।

**बाबा:** जो श्रीमत के महावाक्य हैं उनको फालो करना है ना। मुरली कुछ कहती है, श्रीमत कुछ कहती है। और हम मानते हैं मनमत या मनुष्यमत तो हमारी दुर्गति होगी या सद्गति होगी? (सबने कहा – दुर्गति।) तो सद्गति करना है या दुर्गति करना है? (सभी- सद्गति करना है।) फिर? लड़ाई लड़ने की क्या जरूरत? तू-तू, मैं-मैं करने की क्या जरूरत?

**जिज्ञासु:** बाबा तो उनकी ज्यादा मानते हैं लोग।

**बाबा:** जो माने उनको मानने दो। लेकिन हमें तो श्रीमत पर चलना है न कि मनुष्यों की मत पर चलना है?

**जिज्ञासु:** दस पाँच लोग नहीं जा पाते हैं। और लोग तो चले जाते हैं।

**बाबा:** ठीक है। जो दस पाँच नहीं जाते हैं बाबा की दृष्टि में वो श्रेष्ठ हैं। बाकी भ्रष्ट रास्ते में चले गए।

**Fifth student:** I mean to say we should organize the *sangathan* at the homes of couples.

**Baba:** We have to follow the versions of *shrimat*, haven't we? If murli says something, *shrimat* says something and we follow the opinion of the mind or the opinion of human beings, then, will we undergo degradation or will we attain true salvation? (Everyone said: degradation.) So, should we bring about true salvation or degradation? (Everyone: sadgati.) Then? What is the need to fight? What is the need to start an argument?

**Student:** Baba, people obey them more.

**Baba:** Those who obey them may continue to obey but do we have to follow *shrimat* or the opinion of human beings?

**Student:** Ten or five people do not go. Others go there.

**Baba:** Alright, those ten or five people who do not go are elevated in Baba's eyes. The rest have followed the unrighteous path.

**समय: 57.08-59.42**

**जिज्ञासु:** बाबा, आपने कहा कि भाईयों को गार्ड बनना है।

**बाबा:** गार्ड? वाह पढ़े!

**जिज्ञासु:** भाई को गार्ड बनना है गार्ड।

**बाबा:** ट्रेन का गार्ड नहीं। हाँ गार्ड माने जैसे रक्षक होता है। इन्दिरा गांधी का वो गोली मारने वाला रक्षक था ना बलवन्त सिंह। उन्होंने उल्टा काम कर दिया।

**जिज्ञासु:** वही गार्ड ही।

**बाबा:** हाँ।

**जिज्ञासु:** मान लीजिए कोई युगल है और उसका नहीं पट रहा है अगर।

**बाबा:** नहीं पट रहा है तो? तो वो युगल है? तुम तो युगल माने बैठे हो – मेरी युगल, मेरी युगल। हाँ मेरी युगल।

**जिज्ञासु:** नहीं लेकिन बाबा ये प्रॉब्लम है ना।

**बाबा:** 24 घंटे में कोई टाइम तुम्हें पक्का हो जाता है ये तो मेरी ही युगल है।

**जिज्ञासु:** युगल की बात नहीं है बाबा.....

**बाबा:** जब नहीं बात है तो खतम। युगल वो जो हमारी माने। अगर हमारी बात ही नहीं मानती तो हमारी युगल काहे की? आत्मा-आत्मा? (सबने कहा – भाई-भाई।)

**Time: 57.08-59.42**

**Student:** Baba, you said that brothers should become guards.

**Baba:** Guards? .....

**Student:** Brothers should become guards.

**Baba:** Not the guard of trains. Yes, guard means a protector. The person who fired at Indira Gandhi (one of the former Prime Ministers of India) was her guard named Balwant Singh. He performed an opposite task.

**Student:** That is what [I am saying,] “a guard”.

**Baba:** Yes.

**Student:** Suppose there is a couple and they are not able to get along with each other.

**Baba:** What if they are unable to adjust? Then is she your *yugal* (wife)? You have considered her to be your wife [thinking:] “[she is] my wife, my wife. Yes, my wife.”

**Student:** No Baba, but this is a problem, isn't it?

**Baba:** At some point of time during the 24 hours you think firmly, she is only my wife☺.

**Student:** It is not about being my wife.

**Baba:** When it is not so, then the topic ends. The one who obeys us is our wife. If she does not obey you at all, then is she your wife? Souls are? (Everyone said: brothers among themselves.)

**जिज्ञासु:** आत्मा-आत्मा (भाई-भाई) कैसे.... मतलब मान लो कोई भी बात अच्छी बोलो तो भी बुरा लगे उनको।

**बाबा:** वो आत्मा-आत्मा भाई-भाई है। भाई-भाई को ये स्वतंत्रता नहीं देनी चाहिए कि उसको कोई बात अच्छी लगती है तो वो अपने तरीके से चले? भाई-भाई को स्वतंत्रता नहीं देनी चाहिए? चलो ज्ञान में चलने वाले किसी की पत्नी भी है तो पत्नी को भाई की दृष्टि से नहीं देखना चाहिए?

**जिज्ञासु:** देखना चाहिए।

**बाबा:** उसको स्वतंत्रता देनी चाहिए (कि) तुम इस वाक्य का जो अर्थ समझना चाहो, इस बात का जो अर्थ लगाना चाहो सो लगाओ भाई। तुम जैसा करोगा वैसा पाओगे। अभी एडवांस पार्टी में मोस्टली यही देखा जा रहा है – कोई अपनी पत्नी को स्वतंत्रता नहीं दे रहा है। जबकि प्रैक्टिकल में देख भी रहे हैं कि प्रजापिता का पार्ट क्या है। आत्मा-आत्मा भाई-भाई समझ करके चलना है या पत्नी समझ करके चलना है? भाई-भाई समझके चलना है। अगर पत्नी समझते हैं तो फिर तुम्हारे अंडर में होनी चाहिए।

**Student:** If all souls are brothers among themselves, then how... I mean to say, even if I speak something good, she feels bad.

**Baba:** As a soul she is your brother. Should you not give your brothers the freedom to act in his own way if he likes something? Should we not give freedom to brothers? OK, suppose it a wife of someone who follows the path of knowledge; so, should you not see your wife as a brother?

**Student:** You should see.

**Baba:** She should be given the freedom, “You can interpret this sentence in any manner that you deem fit; you can interpret it any manner that you wish. As you sow, so shall you reap. Now, in the advance party it is mostly being observed: nobody is giving freedom to his wife although they are seeing in practical that what the part of Prajapita is. Should we see souls as brothers or should we see her as a wife? You have to see her as a brother. If you consider her to be your wife, then she should be under your control.

**जिज्ञासु:** हमारे अन्डर में नहीं है बाबा।

**बाबा:** अंडर में नहीं है तो पत्नी काहे की? रद्दा लगाए पड़े हो मेरी पटनी, मेरी पटनी। पटती है नहीं।

**जिज्ञासु:** आपस में तू-तू, मैं-मैं बहुत ज्यादा हो जाती है।

**बाबा:** क्यों होती है तू-तू, मैं-मैं करने की जरूरत क्या है जब आत्मा-आत्मा भाई-भाई हो गया?

**जिज्ञासु:** आत्मा-आत्मा भाई-भाई तो ठीक है बाबा, लेकिन कहाँ आत्मा दिखाई ही नहीं देता है।

**बाबा:** तुम्हें आत्मा दिखाई नहीं देता?

**जिज्ञासु:** बात-बात में बात बढ़ जाती है।

**बाबा:** बातें क्यों करना? काम करो। बातें मत करो।

**Student:** Baba, she is not under my control.

**Baba:** If she is not under your control, then how is she your wife? You keep repeating, “My wife (*patni*), my wife”. But you are unable to get along with her (*patna*).

**Student:** A lot of argument takes place.

**Baba:** Why is the need to get into an argument when souls are brothers?

**Student:** ‘Souls are brothers’ that is ok Baba, but I am unable to see the soul.

**Baba:** You not able to see the soul?

**Student:** The matter gets complicated on every small issue.

**Baba:** Why do you talk? Do your work. Do not talk.

**समय: 01.06.45-01.07.40**

**जिज्ञासु:** ब्रह्मा का दिन-रात है, प्रजापिता का क्यों नहीं?

**बाबा:** ब्रह्मा का दिन-रात कहा जाता है, प्रजापिता का दिन-रात नहीं कहा जाता क्योंकि प्रजापिता तो मुर्करर रथ है। मुर्करर रथ में शिव हमेशा ही प्रवेश है कि कभी नहीं है – ऐसा भी है? वो तो मुर्करर रथ है। जब मुर्करर रथ है तो सदैव ज्ञानयुक्त ही होगा या ज्ञानहीन भी होगा? (सभी-ज्ञानयुक्त ही होगा।) और ब्रह्मा? ब्रह्मा कोई मुर्करर रथ तो है नहीं। कभी है कभी नहीं है। होते हुए भी अर्थ का पता नहीं है। सन् ६८ तक ब्रह्मा में प्रवेश किया। प्रवेश हुआ भी, प्रवेश भी था, फिर भी जो बोला गया, उसके अर्थ का पता ही नहीं। तो हुआ, हुआ, न हुआ बराबर हो गया।

**Time: 01.06.45-01.07.40**

**Student:** When there is the day and night of Brahma, why isn't there the day and night of Prajapita?

**Baba:** It is said Brahma's day and night; it is not said Prajapita's day and night because Prajapita is the permanent chariot. Shiva is always present in the permanent chariot or is it that He is not present in him sometimes? He is the permanent chariot. When it is the permanent chariot, will he always be knowledgeable or will he also lack in knowledge? (Everyone said: He will be knowledgeable.) And what about Brahma? Brahma is not the permanent chariot. Sometimes he is (a chariot) and sometimes he isn't. Even if he is [the chariot] he does not know the meaning. He entered in Brahma till the year 68. Although he had entered, although he was in him, he did not know the meaning at all. So, it is one and the same whether he is [a chariot] or not.

**समय: 01.13.29-01.15.10**

**जिज्ञासु:** बाबा, उथल पुथल हो रही है एक बात की।

**बाबा:** काहे के लिए उथल पुथल हो रही है?

**जिज्ञासु:** राजा भोज जो थे, एक टीले पर बैठते थे बाबा तो न्याय उचित करते थे।

**बाबा:** हाँ।

**जिज्ञासु:** और जब टीले से उतर जाते थे तो फिर वो न्याय नहीं करते थे।

**बाबा:** टीले का मतलब है ऊँची स्टेज में, शिवबाबा की याद में रह करके कोई हम फैसला करेंगे तो सही फैसला होगा। और नीची स्टेज में रहके, देहभान में रहकरके करेंगे, या देहभान के काम करते हुए कोई फैसला करेंगे तो फैसला गलत होगा।....

**Time: 01.13.29-01.15.10**

**Student:** Baba, there is a confusion in one topic.

**Baba:** Why is confusion is taking place☺?

**Student:** When King Bhoj sat on a hillock he used to deliver justice.

**Baba:** Yes.

**Student:** And when he used to come down from the hillock he did not deliver justice.

**Baba:** A hillock means in a high stage. If we take a decision in the remembrance of Shिवbaba, then the decision will be correct. And if we take a decision in a low stage, while being in body consciousness or while performing tasks of body consciousness, then the decision will be wrong. ....

**जिज्ञासु:** बाबा, राजा भोज की बात कहाँ से आई फिर उसमें ऊँची स्टेज पर?

**बाबा:** टीला है ना। तो राजा भोज ने कभी पुरुषार्थ नहीं किया होगा ५००० साल पहले? ऊँची स्टेज में रहने का पुरुषार्थ नहीं किया क्या? तो भक्तिमार्ग में वो टीले पर बैठा हुआ दिखाए दिया।

**जिज्ञासु:** द्वापर से?

**बाबा:** हाँ, हाँ। शंकरजी को कहाँ बैठाते हैं?

**जिज्ञासु:** कैलाश में।

**बाबा:** तो कैलाश पर्वत ऊँची स्टेज है ना। है सूक्ष्म बात। उन्होंने फिर स्थूल में दिखा दिया कैलाश पर्वत । वैसे भी शिव के मन्दिर कहाँ बनाए जाते हैं? ऊँचे टीले पर बनाए जाते हैं या नीचे गड्ढे में बनाए जाते हैं? ऊपर टीले पर बनाए जाते हैं। पहाड़ी पे बनाए जाते हैं।

**Student:** Baba, how did the topic of King Bhoj emerge in the high stage?

**Baba:** It is a hillock, isn't it? So, did King Bhoj not make *purusharth* 5000 years ago? Did he not make *purusharth* to be in a high stage? So, he has been shown sitting on a hillock in the path of *bhakti*.

**Student:** From the Copper Age?

**Baba:** Yes, yes. Where is Shankarji shown to be sitting?

**Student:** On (Mount) Kailash.

**Baba:** So, Mount Kailash is a high stage, isn't it? It is a subtle thing. They have then shown it in a physical way. Even otherwise, where are temples of Shiva built? Are they built on high hillocks or in pits below? They are built above on the hillocks. They are built on mountains.



.....  
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.